नाव अटकी बीच भंवर में | By Narendra Kaushik |

अरे रे मैं तो हो री सू लाचार
के बजरंग आ जाओ
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में
के पार लग जाओ

हो मैंने सुनी से बालाजी तू
भक्त का रखवाली सै
बड़े-बड़े पापी पार उतारे
लीला जग में न्यारी सै
भगत शिरोमणि कहते हैं
तू कलयुग का अवतारी सै
अरे रे तेरी प्यारी-प्यारी शान
के भाग जगा जाओ
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में
के पार लग जाओ

झूठी भक्ति का लगता मीठा
खट्टा मेरे लाग्या बाबा
लाल लंगोटा गदा हाथ में
रूप तेरा मन भाग्या बाबा
तेरे भवन में होती देखी
आग्या बाबा आग्या बाबा
अरे रे यो खाग्या मेरा खात
के दूर भगा जाओ
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में
के पार लग जाओ

हो नौवा कान लग्या मैंने
इब अपने घर में फूल खिला
सास ननद मेरा बोली मारे
संकट में भी दी है हला
तेरे दर पे जान खफा तू
मांगता आपन नहीं मिला
अरे रे ढाले मेरे चेहरे का नूर
की गोद भरा जाओ
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में
के पार लग जाओ

चन्द्रहास ने स्वांकणे में
जाके सब बताऊंगी
दर्द में तुमने नहीं दिए थे
चौखट में मर जाऊंगी
नरेन्द्र कौशिक से तेरे
मैं जैकारे लगवाऊंगी
अरे रे करवाऊंगी मैं कीर्तन
रख दे के रख दे लाज मेरी
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में

के पार लग जाओ

अरे रे मैं तो हो री सू लाचार
के बजरंग आ जाओ
अरे रे नाव अटकी बीच भंवर में
के पार लग जाओ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%b5-%e0%a4%85%e0%a4%9f%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a5%80%e0%a4%9a-%e0%a4%ad%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-narendra-kaushik/